ऐतिहासिक कुम्भलगढ़ किले में सदियों से रह रहे आदिवासी ग्रामीणों को हाई कोर्ट से राहत

राजस्थान हाई कोर्ट ने मकानों की मरम्मत व आवश्यक निर्माण की अनुमति दी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध कुम्भलगढ़ किले के परकोटे के भीतर सदियों से निवास कर रहे ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि केवल पुरातात्विक स्मारकों की सुरक्षा के नाम पर ऐसे लोगों को, जो कई पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं, बेदखल नहीं किया जा सकता।

- **न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि केवल पुरातात्विक स्मारकों की सुरक्षा के नाम पर ऐसे लोगों को, जो कई पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं, बेदखल नहीं किया जा सकता**
- **उच्च न्यायालय का यह निर्णय कुम्भलगढ़ किले के परकोटे में रहने वाले सैकड़ों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के लिए राहत भरा माना जा रहा है**

ग्रामीणों का आरोप था कि जब भी वे अपने पुश्तैनी मकानों की मरम्मत या आवश्यक निर्माण का प्रयास करते थे, तब पुरातत्व विभाग द्वारा एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी, नोटिस जारी करने तथा निर्माण कार्य रोकने जैसी कार्रवाई की जाती थी। इससे गरीब आदिवासी परिवार लंबे समय से परेशान थे। इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामवासियों की ओर से याचिकाकर्ता विक्रम एवं अन्य ने राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में जनहित याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा एवं न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि जो लोग कई पीढ़ियों, यहां तक कि सदियों से उक्त क्षेत्र में निवास कर रहे हैं, उन्हें केवल पुरातत्व स्थलों की सुरक्षा के आधार पर बेदखल नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि पुराने फाउंडेशन पर बने मौजूदा मकानों की मरम्मत तथा आवश्यक अतिरिक्त निर्माण की अनुमति संबंधित नियमों के अनुरूप दी जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अजीज खान, पिंकी बोराणा, सोनू सिंह राठौड़ एवं फरदीन खान ने प्रभावी पैरवी करते हुए ग्रामीणों का पक्ष न्यायालय के समक्ष रखा। उच्च न्यायालय का यह निर्णय कुम्भलगढ़ किले के परकोटे में रहने वाले सैकड़ों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के लिए राहत भरा माना जा रहा है। इससे वे अपने पुश्तैनी मकानों की आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षित आवास का अधिकार प्राप्त कर सकेंगे।

डूंगरपुर के अस्पताल में नवजात व प्रसूता की मौत के बाद हंगामा

परिजनों ने प्रसूता का शव मोर्चरी ले जाने से रोका, अस्पताल स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की भी हुई

डूंगरपुर, (निसं)। मातृ-शिशु अस्पताल एमसीएच में मृत नवजात को जन्म देने के 24 घंटे बाद 19 वर्षीय प्रसूता की भी मौत हो गई। लगातार हुई दो मौतों के बाद अस्पताल में हंगामा मच गया। परिजनों ने प्रसूता का शव मोर्चरी ले जाने से रोक दिया और अस्पताल स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। सूचना पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने समझाइश कर शव को मोर्चरी में रखवाया, जहां इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर जिले के सुलई आंकडी, खेरवाडा निवासी 19 वर्षीय ललिता पत्नी नितेश मीणा गर्भवती होने के कारण अपने पीहर गरासिया फला ऋषभदेव में रह रही थी। बुधवार को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे पहले खेरवाडा स्थित डॉ. आशीष के निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे। वहां से उसे डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के मातृ-शिशु अस्पताल रेफर किया गया, जहां भर्ती के बाद उसने मृत नवजात को जन्म दिया। नवजात के शव को मोर्चरी में रखवाया गया,जबकि ललिता की हालत गंभीर बनी रही। मृत नवजात के जन्म के बाद डॉक्टरों की निगरानी में ललिता का उपचार जारी था,लेकिन गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। लगातार दो मौतों की खबर मिलते ही परिजनों में शोक और आक्रोश फैल गया। प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने शव को मोर्चरी ले जाने का विरोध किया। वे स्ट्रेचर के सामने खड़े हो गए और शव को ले जाने से रोक दिया। इस दौरान अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई तथा अस्पताल स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की भी हुई।

घटना की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और समझाइश के बाद शव को मोर्चरी में शिफ्ट कराया। पुलिस ने बताया कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पाकिस्तान से हथियार व हेरोइन तस्करी गैंग का सरगना गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। पुलिस, साइबर सेल और खाजूवाला पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय नारको आर्म्स सिंडिकेट के मुख्य सरगना और 75 हजार रुपये के इनामी तस्कर राकेश प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया है। इस पर 22 केस दर्ज हैं। कुछ दिन पहले ही खाजूवाला के 6 बीडी में वीरेंद्र राजपुरोहित से 50 करोड़ रुपये की हेरोइन, 11 पिस्टल, 33 मैगजीन और 100 कारतूस बरामद हुए। इन दोनों वारदातों का मास्टरमाइंड राकेश प्रजापत था। उसी ने अभियुक्तों को डिलीवरी लेने भेजा था। पुलिस उसे सरगर्मी से तलाश रही थी। वह ट्रक में सवार होकर पंजाब से जोधपुर जा रहा था। बीकानेर पुलिस को मुखबिर से इसकी सटीक सूचना मिलने पर अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे पर नाकाबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार पंजाब, गोवा, पाली, ब्यावर और बीकानेर पुलिस के लिए सिरदर्द बना मोस्ट वांटेड तस्कर राकेश प्रजापत उर्फ 'दुबई किंग' जयपुर में बैठकर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन और विदेशी हथियार मंगाने की पूरी साजिश रची थी। मंगलवार को बीकानेर पुलिस ने जब उसे पकड़ा तो उसने कबूला कि 20 से 25 जुलाई के बीच वह जयपुर में गर्लफ्रेंड के पास रुका और वहीं से पाक तस्करों और पंजाब के शूटर्स के संपर्क में रहकर पूरी सप्लाई चेन ऑपरेट करता रहा। दिन में वर्चुअल नंबर से पंजाब के शूटर्स व तस्करों से डील करता था और शाम ढलते ही गर्लफ्रेंड के साथ पब और क्लबों में लग्जरी लाइफ जीता था। जयपुर से फ्लाइट लेकर बेंगलुरु गया और कई दिन वहीं रहा। डील के दौरान जयपुर मूवमेंट रहा।

जांच के मुताबिक, जब हैंडलर वीरेंद्र सिंह खाजूवाला पुलिस के हत्थे चढ़ा तो राकेश पंजाब निकल गया। आखिरकार बीकानेर पुलिस ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे पर नाकाबंदी कर उसे ट्रक में सफर करते हुए दबोच लिया। पुलिस का दावा है कि पाकिस्तान से ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए भेजी गई हेरोइन और विदेशी पिस्टलों की खेप भारत पहुंचने के दौरान राकेश लगातार भारत माला एक्सप्रेस-वे पर मूवमेंट बदलता रहा, ताकि लोकेशन ट्रैक न हो। हाल के दिनों में बीकानेर पुलिस ने इसी नेटवर्क से जुड़ी कार्रवाई में करीब 10 किलो हेरोइन, 11 विदेशी पिस्टल, 22 मैगजीन और 100 कारतूस बरामद किए हैं। मृदुल कच्छावा, एसपी बीकानेर का कहना है कि पाक से आई हथियारों व हेरोइन की खेप पकड़ी तो राकेश प्रजापत का नाम सामने आया। पूछताछ में सामने आया कि जुलाई के तीसरे सप्ताह में उसने जयपुर रहकर फरारी काटी।

दोस्त के कमरे पर रखे 24.82 लाख रूपए चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर पुलिस थाना क्षेत्र गुरों का तालाब के पास एक कमरे से 24 लाख 82 हजार रूपए चोरी हो गए। पीड़ित ने प्लॉट के पेठे मिली यह रकम अपने दोस्त के रूम पर रखी थी। रूपए संदिग्ध हालात में चोरी हुए। फिलहाल प्रतापनगर थाने में रूपए चोरी की रिपोर्ट दी गई है।

प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि नवजी का पाना, भूरटिया नागाणा बाड़मेर हाल वैभव एंक्लेव निवासी चन्द्रप्रकाश पुत्र मंगनाराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 4 अगस्त की रात 9 बजे उसने अपने प्लाट लेने का पेमेंट 24 लाख 82 हजार रुपये अपने एक मित्र के रुम में रखा। उसी जगह पर रात को 2.10 बजे पीड़ित खुद सोया हुआ था। वहीं एक अन्य शख्स भी आया था और सोया था। सुबह उठने पर रूपए गायब मिले।

पाटन क्षेत्र के रेला पहाड़ पर पैंथर दिखा, ग्रामीणों में दहशत

पाटन, (निसं)। पाटन क्षेत्र के ग्राम रेला के पहाड़ी जंगल में गुरुवार को पैंथर (लेपर्ड) दिखाई देने से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया। चट्टान पर बैठे पैंथर का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और पैंथर की लगातार निगरानी करने की मांग की है।

- **ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और पैंथर की लगातार निगरानी करने की मांग की**

ग्रामीण सतीश ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ पहाड़ की ओर घूमने गया था। इसी दौरान एक बड़ी चट्टान पर पैंथर बैठा दिखाई दिया। उन्होंने मोबाइल से उसके फोटो और वीडियो रिकॉर्ड किए। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और आसपास के गांवों में लोगों में भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि पैंथर पिछले कई दिनों से जंगल और आबादी से सटे क्षेत्रों में देखा जा रहा है। वह आए दिन मवेशियों का शिकार कर रहा है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए शाम ढलते ही ग्रामीण अपने पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर बांध रहे हैं और अनावश्यक रूप से जंगल की ओर जाने से बच रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रेला के जंगल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पशु चराने जाते हैं। ऐसे में पैंथर की मौजूदगी किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों ने वन विभाग से नियमित गश्त, पैंथर की निगरानी तथा आवश्यकता पड़ने पर उसे सुरक्षित तरीके से जंगल के गहरे हिस्से में भेजने या रेस्क्यू करने की मांग की है, ताकि जन-धन की हानि से बचा जा सके।

पाटन रेंजर रविंद्र सिंह भाटी ने बताया कि वायरल वीडियो में लेपर्ड का मूवमेंट दिखाई दे रहा है। वन विभाग की टीम को क्षेत्र में पेट्रोलिंग के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में जंगली वनस्पति और घास तेजी से बढ़ जाती है, जिससे जंगली जानवरों की गतिविधियां आसानी से नजर नहीं आतीं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे सुबह-शाम या देर रात जंगली क्षेत्रों में जाने से बचें तथा किसी भी प्रकार की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।

अवैध मादक पदार्थ जब्त

कोटा, (निसं)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मोटरसाइकिल की तलाशी के दौरान 0.211 किलोग्राम अवैध एमडी जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को भी जप्त किया है। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि मध्यप्रदेश के मंदसौर-सीतामऊ मार्ग से एक मोटरसाइकिल सवार अवैध मादक पदार्थ एमडी लेकर जा रहा है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा डिवीजन के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर मंदसौर-सीतामऊ मार्ग पर ग्राम अरणिया निजामुद्दीन के निकट संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर उसकी तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान मोटरसाईकिल के फ्रंट विजर के अंदर छिपाकर रखा गया एक प्लास्टिक बैग बरामद हुआ।

तस्करों की गैरकानूनी तरीके से कमाई 1.79 करोड़ की संपत्तियां जब्त

बीकानेर, (निसं)। जिले में संगठित अपराधों, मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष 'ऑपरेशन नीलकंठ' में पुलिस ने मादक पदार्थों के कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। तीन अपराधी और एक महिला की नशा बेचकर हासिल की गई 1.79 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त किया गया है।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि तत्कालीन सीओ सदर आईपीएस अनुष्ठा कालिया, एएसपी सिटी चक्रवर्तीसिंह और सदर एसएचओ सुरेन्द्र पचार ने नशे का कारोबार करने वालों और इससे हासिल की गई संपत्ति की पूरी जानकारी जुटाई। छानबीन में पता चला कि भुट्टों का बास निवासी सत्तार अली, शहजाद और फिरोज उर्फ जग्गू ने नशा बेचकर अवैध रूप से संपत्तियां बनाई। इसमें परी के नाम भी अवैध संपत्ति है। बीकानेर में पहली बार पुलिस ने एनडीपीएस में कार्रवाई करते हुए सक्षम प्राधिकारी से आदेश लेकर इन चारों की करीब 1.79 करोड़ रुपए की संपत्तियां फ्रीज कर दी हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि सदर थाना क्षेत्र के भुट्टों का बास निवासी तस्कर सत्तार अली और उसके बेटों ने मादक पदार्थों की तस्करी की काली कमाई से करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर रखी थी। सत्तार अली एवं उसके पुत्रों सिकंदर अली, साजिद खां, अनीश और साहिल के खिलाफ अलग-अलग संगीन धाराओं में कुल 37 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें सिकंदर (13 मुकदमे), साजिद (9 मुकदमे) और साहिल (3 मुकदमे) थाने के घोषित हिस्ट्रीशीटर हैं, जबकि सत्तार अली (9 मुकदमे) की हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने सत्तार अली और उसकी पुत्री परी के नाम दर्ज रिहायशी मकान व बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है।

सर्पदंश से महिला की मौत

निवाई, (निसं)। गांव रजवास में बुधवार को खेत में कृषि कार्य करने के दौरान एक महिला को सांप ने काट लिया जिससे महिला की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गांव रजवास में कमला देवी (55) पत्नी रामसहाय बैरवा अपने कुएं पर खेत में चारा काट रही थी। इसी दौरान सांप ने उसे काट लिया। जिससे वह घायल हो गई। जानकारी मिलने पर परिजनों ने उसको उप जिला अस्पताल भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

भीलवाड़ा में कथित मुठभेड़ के दौरान युवक की मौत पर बवाल

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा बाइपास पर पुर थाना क्षेत्र के पास नेशनल हाईवे-48 पर बुधवार देर रात एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कार सवारों के बीच हुई कथित मुठभेड़ में एक युवक की गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हालांकि, दूसरी ओर मृतक के परिजनों ने इस पूरी कार्रवाई को फर्जी एनकाउंटर करार देते हुए पुलिसकर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

- **एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कार सवारों के बीच हुई कथित मुठभेड़ में एक युवक की गोली लगने से मौत हो गई थी**
- **मृतक के परिजनों ने इस पूरी कार्रवाई को फर्जी एनकाउंटर करार देते हुए पुलिसकर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है**

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिली थी। टीम ने पुर थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक कार लेकर भागने लगा। पीछा करने के दौरान मुठभेड़ के हालात बने और पुलिस की ओर से कार को रोकने के लिए की गई फायरिंग में युवक को सीने व पसलियों के पास गोली लग गई। कार का अगला शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया। घायल को तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गणपत राम (36) पुत्र आलाराम, निवासी रामड़ावास, भोपालगढ़, जोधपुर के रूप में हुई है। यह भी चर्चा है कि मौके पर एक अन्य गाड़ी भी थी, जिसमें मादक पदार्थ लदा होने की आशंका है। घटना के बाद मृतक के चचेरे भाई रामपाल (निवासी रामड़ावास) ने पुलिस अधीक्षक जिला भीलवाड़ा को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपकर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के पुलिसकर्मियों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

परिजनों का कहना है कि 5 अगस्त की रात चित्तौड़गढ़ की तरफ से आ रहे गणपत राम और उनके साथी महेन्द्र पुत्र दीपाराम गोदारा, निवासी सोफडा की कार को पुलिस ने स्पाइक स्ट्रिप लगाकर पंक्चर कर दिया था। कार रुकने के बाद गणपत राम या उनके साथी ने कोई फायरिंग नहीं की और न ही उनके पास कोई हथियार था। परिजनों का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने हत्या की नीयत से सरकारी पिस्टल से गणपत के सीने में गोली मारी। ज्ञापन में कहा गया है कि घटना के समय साथ मौजूद महेन्द्र को पुलिस ने हिरासत में रखा है और उस पर पुलिस के पक्ष में बयान देने का दबाव बनाया जा रहा है। परिजनों ने दावा किया है कि घटनास्थल पर कैमरे लगे हुए हैं, इसलिए निष्पक्ष जांच के लिए घटना स्थल के सीसीटीवी रिकॉर्ड को तुरंत जब्त कर जांच में शामिल किया जाए। परिजनों ने मांग की है कि साक्ष्य नष्ट होने से बचाने के लिए आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ धारा के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और शव का पोस्टमार्टम अविलंब मेडिकल बोर्ड द्वारा करवाया जाए। फिलहाल, पुलिस अधिकारियों की ओर से पूरे घटनाक्रम और परिजनों के आरोपों पर आधिकारिक विस्तृत बयान जारी होने का इंतजार किया जा रहा है।

कोटा में कार से 48 किलो डोडा-पोस्त मिला, दो गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। शहर में बुधवार की रात को पुलिस ने मोगड़ा-सालावास रोड पर कार का पीछा कर उसमें लादा गया 48.700 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है। तस्कर भागने लगे तब कार पंक्चर हो गई। बाद में कार में सवार दो तस्करों को भी पकड़ा गया। कार्रवाई विवेक विहार थाना पुलिस और डीएसटी वेस्ट की संयुक्त रूप से की।

थानाधिकारी बलवंतराम के नेतृत्व में विवेक विहार थाना पुलिस और डीएसटी वेस्ट की टीम ने मोगड़ा-सालावास रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक मारुति ऑल्टो के-10 का पीछा किया, मगर कार आगे जाकर पंक्चर हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कार को रोका और तलाशी ली। तलाशी में कार से 48.700 किलो डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने दो आरोपियों विक्रम (25) निवासी भोला का बास, धवा पीएस झंवर, जोधपुर तथा सुरताराम (26) निवासी जोजणियों का तला, बाड़मेर को पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी डोडा-पोस्त खरीद-फरोख्त के लिए ले जा रहे थे। पुलिस अब तस्करी के नेटवर्क और सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जांच कर रही है।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के फलोज गांव में जमीन विवाद के चलते छोटे भाई की लोहे के सरिए से हत्या करने वाले बड़े भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद से फरार आरोपी को विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ा। घटना 3 अगस्त को पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान हुई थी। थानाधिकारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि 3 अगस्त को फलोज गांव में पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान बड़े भाई रतनलाल पाटीदार (57) और छोटे भाई गोपाल उर्फ लखा पाटीदार के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान रतनलाल ने गोपाल के सिर पर लोहे के सरिए से हमला कर दिया।

नकाबपोश बदमाशों ने बोलेरो चालक पर हमला किया

पावटा, (निसं)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पावटा स्थित चूना फैक्टरी के आगे बुधवार की रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। पुरानी रंजिश के चलते कथित रूप से बोलेरो चालक व सवार युवक की लोकेशन ट्रेस कर कई किलोमीटर तक पीछा किया गया और फिर 7-8 नकाबपोश बदमाशों ने बाइक एवं एक कार की मदद से बोलेरो को घेरकर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि चालक व सवार ने सूझबूझ दिखाते हुए पास के एक होटल व खेत में घुसकर अपनी जान बचाई।

- **लोकेशन ट्रेस कर कई किलोमीटर तक पीछा कर जानलेवा हमला किया**
- **चालक व सवार ने एक होटल व खेत में घुसकर अपनी जान बचाई**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरीश कुमार (25) पुत्र माडाराम गुर्जर निवासी चेची की ढाणी, किशोरपुरा (थाना हरसोरा) ने प्रागपुरा थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 5 अगस्त की रात करीब 9 बजे वह अपने दोस्त लेखराम के साथ बोलेरो से पावटा अपने मित्र प्रमोद से मिलने आया था। पावटा पुलिया के पास कोल्ड ड्रिंक एवं अन्य सामान लेने के लिए वाहन रोकते ही पीछे से आई एक सफेद स्विफ्ट कार से कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर उतरे और बोलेरो पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने वाहन के चारों ओर से शीशे तोड़ दिए। रिपोर्ट के अनुसार उस समय लेखराम बोलेरो चला रहा था। उसने जान बचाने के लिए वाहन को तेज गति से जयपुर की ओर दौड़ा दिया, लेकिन हमलावर लगातार पीछा करते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाश कई किलोमीटर तक बोलेरो के पीछे लगे रहे और पावटा चूना फैक्टरी से आगे एक होटल के पास वाहन को घेरकर दोबारा हमला कर दिया। इस दौरान बोलेरो में जमकर तोड़फोड़ की गई। घटना को देखकर होटल में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। होटल में लोगों की मौजूदगी देखकर आरोपी मौके से जयपुर की ओर फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि यदि वे समय रहते होटल में नहीं घुसते तो उनकी जान जा सकती थी। हरीश कुमार ने अपनी रिपोर्ट में कुछ व्यक्तियों को नामजद करते हुए घटना में शामिल होने का आरोप लगाया है तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया, आसपास के लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है तथा आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

उदयपुर में छात्रसंघ चुनाव की मांग पर एबीवीपी-एनएसयूआई कार्यकर्ता भिड़े

उदयपुर, (कासं)। प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग अब लगातार उग्र होती जा रही है। गुरुवार को उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर छात्र राजनीति का केंद्र बन गया, जहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने अलग-अलग प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध जताया। इस दौरान दोनों छात्र संगठनों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए जिससे विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार सुखाड़िया विवि में गुरुवार को छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर आयोजित प्रदर्शन के दौरान माहौल गरमा गया। दोपहर करीब 12 बजे एबीवीपी और एनएसयूआई के कार्यकर्ता आपस में आमने-सामने हो गए। दोनों छात्र संगठनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि कार्यकर्ता आपस में आमने-सामने हो गए। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तुरंत स्थिति को संभाला और कार्यकर्ताओं को अलग-थलग कर मामला शांत करवाया। प्रदर्शन के दौरान विवाद की शुरुआत आर्ट्स कॉलेज के मुख्य गेट को बंद करवाने को लेकर हुई। इसके बाद जब दोनों संगठनों के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए कुलपति कार्यालय पहुंचे तो वहां एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा झंडा हटाने की बात पर फिर से बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट की नौबत आ गई। आंदोलन के दौरान दोनों संगठनों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों को बंद कराने का प्रयास किया। इस बीच आर्ट्स कॉलेज बंद कराने को लेकर एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस और नोकझोंक शुरु हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और टकराव की स्थिति बन गई।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रतापनगर थानाधिकारी अजयसिंह राव और हिरणमगरी थाना अधिकारी रवीन्द्र चारण पुलिस जवानों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने समझाइश कर दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। मामला शांत होने के बाद दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश डागा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रसंघ चुनाव कराने के साथ-साथ कॉलेज के टॉयलेट्स और जर्जर बिल्डिंग की मरम्मत कराने की प्रमुख मांगें रखी गईं। दोनों संगठनों ने कुलगुरु कैलाश डागा को उच्च शिक्षा मंत्री के नाम पाँच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

एबीवीपी के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा ने बताया कि ज्ञापन में छात्रसंघ चुनावों की शीघ्र बहाली की मांग की गई। सभी विश्वविद्यालयों में समान अकादमिक कैलेंडर लागू करने, समयबद्ध एवं पारदर्शी परीक्षा परिणाम घोषित करने, विश्वविद्यालयों में रिक्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों पर नियमित नियुक्तियां करने, प्रदेश के सभी राजकीय महाविद्यालयों में नियमित अध्यापकों की नियुक्ति की मांग की गई।

एनएसयूआई से जुड़े छात्र नेता कैलाश गुर्जर ने बताया कि राजस्थान की उच्च शिक्षा व्यवस्था अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र लगातार देरी से हो रहे हैं, परीक्षा परिणाम समय पर घोषित नहीं हो रहे मूल्यांकन प्रक्रिया की खामियां छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर रहीहैं। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हजारों पद खाली होने के कारण शिक्षण व्यवस्था कमजोर होती जा रही है। अधिकांश राजकीय महाविद्यालयों में स्थायी अध्यापकों की कमी है। सरकार को इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए।

दो मॉनिटर लिजार्ड और हिरण का बच्चा मिला, दो नाबालिग निरुद्ध

बज्जू, (निसं)। बज्जू थाना क्षेत्र के माणकासर गांव की रोही में रात को वन्यजीव शिकार का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने मौके से दो मॉनिटर लिजार्ड (गोहपाटला) बरामद किए, जिनमें एक मृत और एक गंभीर घायल मिला। तलाशी में पास ही एक हिरण का छोटा बच्चा भी मृत पाया गया। ग्रामीणों की आशंका है कि शिकारियों ने पकड़े जाने के डर से हिरण के बच्चे को वहां फेंक दिया था। इस घटना से जीव प्रेमियों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

जानकारी के अनुसार रामूराम भादू की ढाणी के पास महिलाओं ने संदिग्धों को शिकार करते देख स्थानीय जीव प्रेमियों को सूचना दी। जीव प्रेमियों ने ऊंटगाड़े पर सवार संदिग्धों का पीछा कर उन्हें बागडूराम बिश्नोई के खेत के पास रोका और वन विभाग को सूचित किया। तलाशी में मॉनिटर लिजार्ड (गोहपाटला) बरामद हुए। बज्जू थानाधिकारी चंद्रसिंह भाटी पुलिस बल के साथ पहुंचे। वन और पुलिस टीम ने दो नाबालिगों को निरुद्ध कर बुधवार को न्यायालय में पेश किया, जहां आईडी न होने से मेडिकल रिपोर्ट के लिए दुबारा वन विभाग को सौंप दिया गया। घटना के विरोध में जारी धरना प्रदर्शन को प्रशासन व ग्रामीणों के बीच हुए समझौते के बाद हटा दिया गया। मुख्य सहमति जिसमें दो वन विभाग कर्मचारियों का स्थानांतरण करने तथा 9 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने पर सहमति बनी। प्रदर्शन के दौरान पूर्व सरपंच रामजस भादू, पूर्व सरपंच गणपत राम सीगड, जीव रक्षा संस्थान बीकानेर के अध्यक्ष मोखराम धारणीया, देसराज भादू, बाबूलाल भादू, सुभाष भादू, मुकेश सीगड, रमेश भादू और विकास बैनीवाल सहित कई ग्रामीण एकत्रित हुए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ बीएमएस की दोवडा ब्लॉक बैठक प्रदेश मंत्री और जिलाध्यक्ष बीएमएस पार्वती भगोरा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी वीरेंद्र भट्ट थे। बैठक में दोवड़ा ब्लॉक से पहुंची आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द समाधान नहीं होने पर राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

बैठक की अध्यक्षता संघ की जिलाध्यक्ष निर्मला बरांडा ने की। जिला महामंत्री राजश्री चौहान ने बताया कि बैठक में प्रदेश मंत्री पार्वती भगोरा कहां कि न्यायालय के स्पष्ट आदेश होने के बावजूद आंगनबाडी कर्मचारियों से विभाग के अलावा अन्य कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि इसके लिए किसी प्रकार का पारिश्रमिक भी नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सरकार से न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित कराने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की। बैठक में समय पर मानदेय भुगतान का मुद्दा भी मुख्य रूप से उठाया गया।